भागीरथी बाल शिक्षा सदन सेकेण्डरी स्कूल

विषय – संस्कृत (व्याकरण)

कक्षा – VII

वर्ण-विन्यासः वर्ण-संयोजनम् च

वर्ण :- उस छोटी से छोटी ध्वनि को कहते हैं, जिसके टुकड़े न हो सकें।
जैसे :- अ, इ, उ, क्, च्, प् आदि।

वर्ण विन्यास :- किसी भी पद के वर्णों को अलग-अलग करना।

उदाहरण :-
1. साधुः = स् + आ + ध् + उः ।
2. राजन् = र् + आ + ज् + अ + न् ।
3. कक्षा = क् + अ + क् + ष् + आ ।

वर्ण-संयोजनम् :- वर्णों को मिलाकर या जोड़कर पद बनाना।

व्यंजन के साथ स्वर जुड़ जाने उसका हलन्त (्) हट जाता है तथा व्यंजन से स्वर अलग कर दिए जाने पर व्यंजन हलन्त (्) हो जाता है।

उदाहरण :-
1. म् + अ + त् + इः = मतिः ।
2. श् + उ + क् + अः = शुकः ।
3. व् + ऋ + क् + ष् + अः = वृक्षः ।

मूल्यांकन कार्य

1. निम्नलिखित पदों का वर्ण-विन्यास कीजिए।
   कृषकः, वचस्, गतिः, भवान्, दीपावली, अध्यापकः
2. वर्णों को जोड़कर लिखिए।
   1. क् + अ + ल् + इ + क् + आ =
   2. श् + इ + क् + ष् + अ + क् + अः =
   3. ब् + आ + ल् + इ + क् + आ =
   4. स् + अ + ज् + ज् + अ + न् + अः =
   5. ग् + र् + ई + व् + आ =

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner